SEM IV

Social bases of Education in the context of modernity :-

मनुष्य एक प्रगतिशील प्राणी है लेकिन संसार के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के मनुष्यों की प्रगति की गति भिन्न-भिन्न है। कुछ तीव्र गति से प्रगति कर रहे हैं और कुछ मन्द गति से। फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, अमेरिका, रूस और जापान में विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में इतना अधिक विकास हुआ कि उसके प्रयोग से वहाँ उद्योग के क्षेत्र में भारी क्रांति हुई। इस औद्योगिक क्रांति के कारण इन देशों का आर्थिक विकास बहुत तेजी से हुआ। इस आर्थिक विकास के कारण इन देशों का जीवन स्तर काफी ऊँचा उठा। ये देश विकसित राष्ट्रों के रूप में प्रसिद्ध हुए। अन्य देशों के विज्ञान एवं तकनीकी को सीखने और इन सबके प्रयोग से अपने देश में आर्थिक विकास करने तथा अपने जीवन-स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयत्न शुरू किया। विद्वानों ने इस प्रक्रिया को आधुनिकीकरण की संज्ञा दी। 20वीं शताब्दी के मध्य तक आधुनिकीकरण का यही अर्थ लिया जाता रहा।

शिक्षा आयोग (कोठारी कमीशन - 1964-66) के प्रतिवेदन में भी आधुनिकीकरण को इसी रूप में देखा गया है।-

किसी देश के आधुनिकीकरण से तात्पर्य विज्ञान एवं तकनीकी के प्रयोग से इस देश की आर्थिक विकास करने और जनसाधारण के जीवन-स्तर को ऊँचा उठाने से है।

आधुनिकीकरण एक सापेक्षिक सम्प्रत्यय है क्योंकि आज जो आधुनिक है कल वह पूर्ण आधुनिक न माना जाएगा। हमारा देश एक विकासशील देश है, आज हम जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह वैज्ञानिक क्षेत्र हो, तकनीकी एवं प्रशासनिक हो, चाहे कृषि, उद्योग या व्यापार हो

(2)

चाहे प्रशासन हो इन सबोंपे हमारा जीवन-स्तर निरन्तर ऊपर उठ रहा है। आधुनिकीकरण के नाम पर हमारा देश जितने समय में आगे बढ़ता है विकसित देश उतने समय में और नई-नई वैज्ञानिक खोज कर लेता है। नए-नए तकनीकी का विकास होता है। जिस कारण हम पीछे रह जाते हैं। इस आधुनिकीकरण का लाभ पूरी जनता को नहीं मिल पाता है। जनता में जागरूकता की कमी और कर्तव्यनिष्ठा की कमी के कारण हम हर क्षेत्र में बहुत अधिक आधुनिकीकरण की तरफ नहीं बढ़ पाते हैं। आधुनिकीकरण की ~~प्रक्रिया में~~ प्रगति में कुछ बाधक तत्व है —

1. आवश्यक, अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा का अभाव
2. विज्ञान, तकनीकी एवं प्रबन्धन शिक्षा का निम्न स्तर
3. आर्थिक रूप से कमजोर
4. प्राकृतिक संसाधनों की कमी - जैसे - डीजल और तेल को भारी मात्रा में आयात करना पड़ता है।
5. जनसंख्या विस्फोट
6.

— भारत में हर एक वर्ग के लोगों के लिए शिक्षा की व्यवस्था करना जिसके सरकार हर तरह के उपाय कर रही है ताकि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा देश, समाज और परिवार के लोगों को जागरूक बनाया जा सकता है तथा हर क्षेत्र में समाज के लोगों को आधुनिकीकरण ~~की ओर~~ आगे के महत्व पर ध्यान ~~आकर्षित~~ दिलवाना ~~चाहिए~~।

भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को बढ़ाना

देने के लिए कुछ उपाय हैं —

1. अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था
2. उच्च कोटि की विज्ञान, तकनीकी एवं प्रबन्धन शिक्षा की व्यवस्था करना।
3. आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना -
4. प्राकृतिक संसाधनों की खोज करना - जिससे देश का आर्थिक विकास होगा, आर्थिक विकास, देश के आधुनिकीकरण में, बढ़ावा मिलेगा।
5. उच्च कोटि के मानव संसाधन का निर्माण।
6. बढ़ती हुई जनसंख्या पर नियंत्रण।

शिक्षा के द्वारा आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना चाहिए जिससे कि हर क्षेत्र में हमारा देश आधुनिक बन पाएगा। शिक्षा आयोग ने अपना सुझाव समय-समय पर दिया है जिससे कि शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा मिल सके। —

1. 6 से 14 साल तक के बच्चों के लिए अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करना।
2. जन साधारण के बौद्धिक स्तर को ऊँचा उठाना।
3. उच्च स्तर पर विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा की उचित व्यवस्था की जाय।
4. छात्रों में स्वतंत्र, चिन्तन एवं निर्णय लेने की शक्ति का विकास किया जाये।

N.C.E.R.T. ने इस विषय पर अनेक गोष्ठियाँ की। शिक्षामंत्रालय स्तर पर भी इन सब बातों पर खूब विचार हुआ है और विद्वान इस परिणाम पर पहुँचे —

① विज्ञान और शिक्षा पर प्रारम्भ से ही

Scanned with CamScanner

ध्यान दिया जाए और बच्चों में वैज्ञानिक प्रवृत्ति का विकास किया जाए।

(2) विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष की अपेक्षा उसके प्रायोगिक पक्ष की ओर अधिक ध्यान दिया जाए।

3. विश्वविद्यालयों में नए-नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जाए, और साथ में पत्राचार शिक्षा की उचित व्यवस्था की जाए।

4. विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में शोध को अधिक बढ़ावा दी जाए।